PSK F7

Dt 1.3.06

प्रिय पाँडुरंग जी

घुमासिंह के नमस्कार, परिवार में सबको मेरा नमस्कार। दक्षिण की यात्रा बहुत लाभ दायक अनुभवों से भरी रही। इसका श्रेय आपको और रामकृष्ण जी को है। आपके घर पर रहकर आपकी खेती और गृहस्थी देखकर बहुत अच्छा लगा और संतोष मिला।

शैलानी जी के 'चिपको' के कुछ गीतों का अंग्रेजी अनुवाद उनके पुत्र गोविन्द रतूड़ी ने किया था। वह मुझे मिला और मैं जार्ज के लिए भेज रहा हूं। गढवाली में मूल गीत दे रहा हूं, शायद आप कुछ समझ पायेंगे।

भारत ने हेंवलघाटी के चिपको आंदोलन पर विशेषरूप से पेड़ों पर कुल्हाड़ियों के सामने चिपकने की घटना पर छोटी पुस्तिका अंग्रेजी में निकाली है। इसमें अदवाणी और सलेत की घटना का वर्णन है। यह पुस्तिका मैंने जार्ज को दी है। इसलिए मेरी भेंट और जार्ज से बातचीत के दौरान शायद इस घटना पर ज्यादा बातचीत नहीं हुई है। आप इसकी याद जार्ज को दे देवें। चिपको आंदोलन का यह महत्वपूर्ण चेप्टर है।

मित्र मिलन पर एक नोट तैयार किया है। इसे पढकर अपनी प्रतिक्रिया वह सुझाव लिखने का प्रयास करना। आशा है कि आप सब आनंद कुशल होंगे। जार्ज को नमस्कार!

आपका
घुमासिंह नेगी